हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(वसंत)(पाठ 5)(अरविंद कुमार सिंह – चिट्ठियों की अनूठी दुनिया)

(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

पाठ से

प्रश्न 1:

पत्र जैसा संतोष फोन या एस0 एम0 एस0 का संदेश क्यों नहीं दे सकता?

उत्तर 1:

पत्र जैसा संतोश फोन या एस0 एम0 एस0 इसलिए नहीं दे सकता , क्योंकि पत्र में हमारी आत्मिक भावनाएं जुड़ी होती हैं। पत्र में मन के भावों को भाब्दों के मोतियों के रूप में पिरोया जाता है । जबकि फोन या एस0एम0एस0 के जरिए हम अपनी बात को कम से कम भाब्दों में करना पसंद करते हैं। जो एक व्यावहारिक रूप होता हैं । उसमें दूरी झलकती हैं पत्रों में निकटता।

प्रश्न 2:

पत्र को खत, कागद, उत्तरम्, जाबू, लेख, कडिद, पाती, चिट्ठी इत्यादि कहा जाता है। इन शब्दों से संबंधित भाषाओं के नाम बताइए।

उत्तर 2:

शब्द	भाषा
खत	उर्दू
कागद	कन्नड़
उत्तरम्	तेलुगू
जाबू	तेलुगू
लेख	हिन्दी
कडिद	तमिल
पाती	हिन्दी
चिट्ठी	हिन्दी
पत्र	संस्कृत

प्रश्न 3:

पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या–क्या प्रयास हुए ? लिखिए।

उत्तर 3:

पत्र संस्कृति विकसित करने के लिए स्कूली पाठ्यक्रमों में पत्र लेखन का विषय भी शामिल किया गया। विश्व डाक संघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का सिलसिला सन् 1972 से शुरू किया गया।

प्रश्न 4:
पत्र धरोहर हो सकते हैं लेकिन एस0 एम0 एस0 क्यों नहीं? तर्क सहित अपना विचार लिखिए।

उत्तर 4:
पत्रों का लिखित रूप होता है जिसे आगे आने वीली पीढ़ियों के लिए हमारी संस्कृति के रूप में रखा जा सकता उन्हें संग्रहालय में भी संजोकर रखा जा सकता है। हमारे संग्रहालयों में हमारे पुराने नेताओं जैसे महात्मा गॉधी , जवाहरलाल नेहरू आदि के पत्र इसके अलावा हमारे घरो में हमारे बड़ो के द्वारा लिखे गए पत्र। मगर एस0 एम0 एस0 कुछ समय के लिए होते हैं। फोन की मैमारी पूरी होने पर उन्हें हटाना ही पड़ता है।

प्रश्न 5:
क्या चिट्ठियों की जगह कभी फैक्स, ई–मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?

उत्तर 5:
चिट्ठियों की जगह फैक्स, ई–मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल कभी नहीं ले सकते। जहॉ पत्रों में आत्मीयता झलकती है वहीं अन्य में केवल औपचारिकता झलकती है।

पाठ से आगे

प्रश्न 1:
किसी के लिए बिना टिकट सादे लिफ़ाफे पर सही पता लिखकर पत्र बैरंग भेजने पर कौन–सी कठिनाई आ सकती है? पता कीजिए।

उत्तर 1:
पत्र को बिना टिकट भेजने से पाने वाले पर जुर्माना लगाया जाता है तभी उसे पत्र दिया जाता है अन्यथा नहीं।

प्रश्न 2:
पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है, कैसे?

उत्तर 2:
पिन कोड को पोस्टल इंडेक्स न0 कहा जाता है। यह छः अंकों का होता है । हर अंक पते की स्थिति को दर्शाता है । इसमें दिए गए नम्बरों से ही राज्य जिला और उप जिला आदि का पता चलता है ।जैसे :– पहला न0 राज्य दूसरा और तीसरा अंक उपक्षेत्र तथा चौथा, पाचवॉ एवं छठा अंक डाकघर का होता है।

प्रश्न 3:
ऐसा क्यों होता था कि महात्मा गांधी को दुनिया भर से पत्र 'महात्मा गांधी इंडिया' पता लिखकर आते थे?

उत्तर 3:
गांधीजी देश के सबसे लोकप्रिय व्यक्ति थे उनको पूरा भारत जानता था इसके अलावा वे हमेशा भ्रमण पर रहते थे इसलिए उनके नाम के पत्र गांधी इंडिया के नाम से आते थें जिससे कि वे पत्र उनको उनके स्थान पर मिल जाते थे।